THE PIONEER
28 June, 2016

IGNFA director assumes office of ICFRE D-G

PNS ■ DEHRADUN

The director of Indira Gandhi National Forest Academy (IGNFA) Shashi Kumar has taken over charge as the Director-General of the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) after repatriation of Ashwani Kumar to his parent cadre of Uttar Pradesh on June 25.

An Indian Forest Service officer of the 1980 batch of AGMUT cadre, Shashi Kumar has till now held various important positions throughout India including that of the principal chief conservator of forests in the government of Arunachal Pradesh, PCCF wildlife and secretary (Science & Technology), Government of Andaman and Nicobar, the managing director of the Goa Forest Development Corporation and the deputy director general of Forest Survey of India among others. In the ICFRE, he has spent a period of about eight years in various positions including that of the director of Forest Research Institute (FRI) in Dehradun and the deputy director general (Research) and the director (Research) of the council.

He has also had more than 30 research papers published in various national and international journals. He has also been awarded the SK Seth memorial prize for his outstanding contributions. After assuming charge as the ICFRE director general, Kumar had a detailed discussion with the FRI director Savita and officials of the council who briefed him on various ongoing and completed research and development programmes of ICFRE being carried out through its nine institutes and five centres situated across the country. The DG also met representatives of the Forest Scientists' Association (FoSA) and assured them of full cooperation in the varied pending issues including those related to HRD, pension and medical facility. Kumar also met the representatives of the Technical Staff Association (TSA) and assured them of the implementation of technical services in ICFRE soon, as approved by the Government of India. He spoke of working in close coordination in order to further enhance the outcome of the research and development activities undertaken by the council and its institutes for public welfare.

THE HIMACHAL TIMES
28 June, 2016

Dr Kumar takes over as DG, ICFRE

DEHRADUN, JUNE 27 (HTNS)

Dr Shashi Kumar, Director, Indira Gandhi National Forest Academy has taken over as Director General, Indian Council of Forestry Research and Education after repatriation of Dr Ashwani Kumar to his parent cadre of Uttar Pradesh on June 25.

Dr Shashi Kumar, an IFS Officer (1980 : AGMUT) held various important positions throughout India including the Principal Chief Conservator of Forests, HoFF, Government of Arunachal Pradesh, PCCF (Wild Life) and Secretary (Science & Technology), Government of Andaman and Nicobar, Managing Director, Goa Forest Development Corporation, Deputy Director General, FSI and others. In ICFRE, he spent about 8 years at various positions including Director of world famous Forest Research Institute at Dehradun and Deputy Director General (Research) and Director (Research) in ICFRE.

Kumar has also published more than 30 research papers in various journals of international repute. He won prestigious SK Seth Prize for his outstanding contributions.

After taking over, Dr Kumar had a detailed discussion with Dr Savita, Director, FRI and officials ICFRE to get brief of various ongoing and completed R&D programs of ICFRE being carried out through its 9 Institutes and 5 Centers spread across India. He met Forest Scientists' Association (FoSA) and assured full cooperation in all pending issues related to HRD, Pension and Medical. He desired to work in close coordination so as to further enhance R&D outcome of ICFRE and its Institutes for betterment of general public.

Dr Kumar also met Technical Staff Association and assured to implement Technical Services in ICFRE soon, as approved by the Government of India.

बद्री विशाल
28 जून, 2016

डा0 शशि बने भारतीय वानिकी अनुसंधान नये महानिदेशक

देहरादून। डा0 अश्वनी कुमार गत दिवस अपने मूल संवर्ग उत्तरप्रदेश में प्रत्यावर्तित हो गये। तदानुसार डा0 शशि कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून द्वारा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् का पदभार ग्रहण कर लिया गया है।

डा0 शशि कुमार (1980 एजीएमयूटी) के भा0व0से0 अधिकारी हैं, जिन्होने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एच0ओ0एफ0एफ0, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में उन्होने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्व संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भा0वा0अ0शि0प0 के पद शामिल हैं।

डा0 शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एस0के0सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा0 शशि कुमार ने डा0 सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 09 संस्थानों तथा 05 केंद्रो में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होने बन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एच0आर0डी0, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होने घनिष्ठ सहयोग में कार्य करने की इच्छा प्रकट की ताकि आम जनता की भलाई के लिए परिषद् तथा इसके संस्थानों द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकें। डा0 शशि कुमार ने तकनीकी स्टॉफ ऐसोसिएशन से भी मुलाकात की और भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवायें क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

हिमाचल टाईम्स
28 जून, 2016

शशि कुमार बने भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद् के नये महानिदेशक

संवाददाता

देहरादून। डा. शशि कुमार ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया गया है।

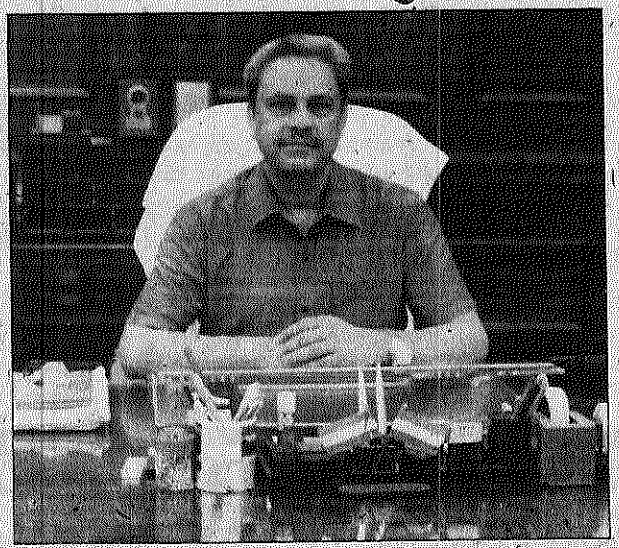

डा. शशि कुमार 1980 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं, जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एचओएफ-एफ, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिसमें देहरादून के विश्व प्रसिद्ध संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भावाअशिप के पद शामिल हैं। डा. शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एसके सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा. शशि कुमार ने डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 9 संस्थानों तथा 5 केंद्रो में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एचआरडी, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

उन्होंने घनिष्ठ सहयोग में कार्य करने की इच्छा प्रकट की ताकि आम जनता की भलाई के लिए परिषद् तथा इसके संस्थानों द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकें। डा. शशि कुमार ने तकनीकी स्टॉफ ऐसोसिएशन से भी मुलाकात की और भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवायें क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

दून दर्पण
28 जून, 2016

डॉ. शशि कुमार बने भारतीय वानिकी अनुसंधान व शिक्षा परिषद् के नये महानिदेशक

दर्पण संवाददाता

देहरादून २७ जून। डॉ. अश्वनी कुमार, २५ जून २०१६ को अपने मूल संवर्ग उत्तर प्रदेश में प्रत्यावर्तित हो गये हैं। तदानुसार डॉ. शशि कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून द्वारा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। डॉ. शशि कुमार (१९८० एजीएमयूटी) के भा.व.से. अधिकारी हैं, जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एचओएफएफ, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्व संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भा.वा.अ.शि.प. के पद शामिल हैं। डॉ. शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में ३० से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हे प्रतिष्ठित एसके सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. शशि कुमार ने डॉ. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के ०९ संस्थानो तथा ०५ केन्द्रों में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एचआरडी, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होंने घनिष्ठ सहयोग में कार्य करने की इच्छा प्रकट की ताकि आम जनता की भलाई के लिए परिषद् तथा इसके संस्थानो द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकें। डॉ. शशि कुमार ने तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन से भी मुलाकात की और भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवायें क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

उत्तराखण्ड केसरी
28 जून, 2016

डा. शशि बने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक

देहरादून, 27 जून (मीना): डा. अश्विनी कुमार को अपने मूल संवर्ग उत्तर प्रदेश में प्रत्यावर्तित कर डा. शशि ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी निदेशक, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद का पद्भार ग्रहण कर लिया है। डा. शशि कुमार के भाव से अधिकारी हैं, जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एच.ओ.एफ.एफ ., अरुणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडेमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप--महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान व अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

डा. अश्विनी कुमार।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए 8 वर्ष की सेवा की, जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्ध संस्थान के निदेशक तथा उप-महानिदेशक (अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के पद शामिल हैं। डा. शशि कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जनरलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किए हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एस.के . सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा. शशि कुमार ने डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 9 संस्थानों तथा 5 केंद्रों में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एच.आर.डी., पैंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होंने घनिष्ठ सहयोग में कार्य करने की इच्छा प्रकट की, ताकि आम जनता की भलाई के लिए परिषद तथा इसके संस्थानों द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकें। डा. शशि कुमार ने तकनीकी स्टाफ एसो. से भी मुलाकात की और भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवाएं क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

जनभारत मेल
28 जून, 2016

शशि कुमार बने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के नये महानिदेशक

संवाददाता, देहरादून।

डा. शशि कुमार ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया गया है।

डा. शशि कुमार 1980 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं, जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एचओएफएफ, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में उन्होने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्व संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक(अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भावाअशिप के पद शामिल हैं। डा. शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एसके सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा.शशि कुमार ने डा.सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 9 संस्थानों तथा 5 केंद्रो में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एचआरडी, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होंने घनिष्ठ सहयोग में कार्य करने की इच्छा प्रकट की ताकि आम जनता की भलाई के लिए परिषद् तथा इसके संस्थानों द्वारा अनुसंधान एवं विकास के अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकें।

शाह टाईम्स
28 जून, 2016

शशि बने आईसीएफआरई डीजी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महा. निदेशक डॉ. अश्वनी कुमार 25 जून को अपने मूल संवर्ग उत्तर प्रदेश में प्रत्यावर्तित हो गये हैं। डॉ. शशि कुमार नेसोमवार को निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अक़ादमी, देहरादून द्वारा महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद का पदभार ग्रहण कर लिया।

डॉ. शशि कुमार 1980 एजीएमयूटी के भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं, जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक. एंच.ओ.एफ.एफ., अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिद. शक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्ध संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक (अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) आईसीएफआरई के पद शामिल हैं। डॉ. शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एस.के. सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. शशि कुमार ने डॉ. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 09 संस्थानों तथा 05 केंद्रों में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

I- NEXT
28 June, 2016

ICFRI के डायरेक्टर जनरल बने डा. शशि

DEHRADUN (27 June) : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक डा. शशि कुमार ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक का पद भार ग्रहण कर लिया है. उन्हें यह जिम्मेदार संस्थान के डायरेक्टर जनरल डा. अश्वनी कुमार के अपने मूल संवर्ग उत्तरप्रदेश में प्रत्यावर्तित होने के बाद सौंपी गई. कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा. शशि कुमार ने डा. सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान व भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के 9 संस्थानों व 5 केंद्रों में जारी तथा पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं की जानकारी ली. उन्होंने पेशन व चिकित्सा संबंधित मामलों को जल्द निपटाने के भी निर्देश दिए. इसके साथ ही उन्होंने तकनीकी स्टाफ एसोसिएशन से भी मुलाकात की और भारत सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवाएं क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया. डा. शशि कुमार 1980 बैच के आईएफएस अधिकारी है. उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एचओएफएफ, अरुणाचल प्रदेश सरकार, सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम सहित कई अन्य पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की है. वे पिछले आठ वर्षो से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को अपनी सेवाएं दे रहे हैं. उन्होंने नेशनल और इंटरनेशन लेवल के कई जर्नलों में 30 से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किए हैं. वे अपने शानदार योगदान के लिए प्रतिष्ठित एसके सेठ पुरस्कार से भी सम्मानित किए जा चुके हैं.

प्रधान टाईम्स
28 जून, 2016

डा० कुमार बने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के नये महानिदेशक

देहरादून। डा० अश्वनी कुमार, अपने मूल संवर्ग उत्तरप्रदेश में प्रत्यावर्तित हो गये हैं। तदानुसार डा० शशि कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून द्वारा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। डा० शशि कुमार के भा०व०से० अधिकारी हैं, जिन्होने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एच०ओ०एफ०एफ०, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में उन्होने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा की जिनमें देहरादून के विश्व प्रसिद्व संस्थान के निदेशक तथा उप महानिदेशक(अनुसंधान) एवं निदेशक (अनुसंधान) भा०वा०अ०शि०प० के पद शामिल हैं। डा० शशि कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों में ३० से अधिक अनुसंधान प्रलेख प्रकाशित किये हैं। अपने शानदार योगदान के लिए इन्हें प्रतिष्ठित एस०के०सेठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा० शशि कुमार ने डा० सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों से देशभर में फैले परिषद के ०9 संस्थानों तथा ०5 केंद्रो में जारी तथा पूर्ण परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एच०आर०डी०, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

सच कहूँ
28 जून, 2016

डा. शशि कुमार बने नए महानिदेशक

देहरादून (सकब)। डा. अश्वनी कुमार अपने मूल संवर्ग उत्तर प्रदेश में प्रत्यावर्तित हो गये हैं। तदानुसार डा. शशि कुमार, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून द्वारा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। डा. शशि कुमार (1980 बैच) के भा.व.से. अधिकारी हैं। जिन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एचओएफएफ, अरूणाचल प्रदेश सरकार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) तथा सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) अंडमान निकोबार सरकार, प्रबंध निदेशक, गोवा वन विभाग निगम, उप महानिदेशक, भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान तथा अन्य पदों के साथ-साथ पूरे भारत में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

राष्ट्रीय सहारा
28 जून, 2016

आईसीएफआरई के नए डीजी बने शशि

■ देहरादून।

सहारा न्यूज ब्यूरो

डा. शशि कुमार भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) के नये महानिदेशक बने हैं। इससे पहले वह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में निदेशक पद पर तैनात थे।

डा. शशि कुमार आईसीएफआरई के नये डीजी

डा. कुमार ने सोमवार को आईसीएफआरई के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है। इससे पहले इस पद पर तैनात डा. अश्विनी कुमार अपने मूल संवर्ग उप्र में वापस चले गये हैं। पदभार संभालने के बाद डा. कुमार ने एफआरआई की निदेशक डा. सविता समेत अन्य अधिकारियों से विभिन्न शोध परियोजनाओं की जानकारी ली। इसके बाद तकनीकी स्टाफ (शेष पेज 15)

आईसीएफआरई के...

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी नये महानिदेशक से मुलाकात की। डा. कुमार इससे पहले भी आईसीएफआरई में अहम पदों पर तैनात रह चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, गोवा वन निगम में प्रबंध निदेशक व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान में उप महानिदेशक आदि पदों पर भी वह तैनात रह चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में उनके 30 से अधिक अनुसंधान लेख प्रकाशित हो चुके हैं। एसके सेठ पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुआ है।

अमर उजाला
28 जून, 2016

डॉ. शशि कुमार को आईसीएफआरई का कार्यभार

देहरादून(ब्यूरो)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक डॉ. शशि कुमार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) का भी कार्यभार दिया गया है। आईसीएफआरई के महानिदेशक रहे डॉ. अश्विनी कुमार अपने मूल संवर्ग में उत्तरप्रदेश प्रत्यावर्तित हो गए हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डॉ. शशि कुमार ने वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ, सविता तथा आईसीएफआरई के अधिकारियों से देशभर में परिषद के 9 संस्थानों और 05 केंद्रों में संचालित परियोजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की और एचआरडी, पेंशन तथा चिकित्सा से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों को हल करने में सहयोग देने का भरोसा दिया। डॉ. कुमार ने तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन से भी मुलाकात की और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित होते ही परिषद में तकनीकी सेवाएं क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया।

दैनिक जागरण

28 जून, 2016

डॉ. शशि बने आइसीएफआरई के महानिदेशक

देहरादून: भारतीय वन सेवा के वर्ष 1980 बैच के अधिकारी डॉ. शशि कुमार भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के नए महानिदेशक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने डॉ. अश्वनी कुमार की जगह ली। डॉ. अश्वनी अपने मूल कैडर उत्तर प्रदेश के लिए कार्यमुक्त हो गए है। डॉ. शशि कुमार इससे पहले अरुणाचल प्रदेश में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अंडमान एंड निकोबार द्वीप समूह में सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) व आइसीएफआरई में ही उपमहानिदेशक (अनुसंधान) आदि पदों पर सेवाएं दे चुके है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के 30 से अधिक जर्नलों में उनके प्रलेख भी प्रकाशित हो चुके है। महानिदेशक का पदभार ग्रहण करते हुए डॉ. शशि कुमार ने परिषद के देशभर में फैले नौ संस्थानों व पांच केंद्रों में चल रही परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात कर पेंशन, चिकित्सा आदि से संबंधित सभी विचाराधीन मामलों के निस्तारण का आश्वासन दिया।

हिन्दुस्तान
28 जून, 2016

डॉ.शशि बने आईसीएफआरआई के महानिदेशक

देहरादून। डॉ.शशि कुमार भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के नए महानिदेशक बन गए हैं। सोमवार को उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। जबकि पूर्व महानिदेशक डॉ.अश्वनी कुमार अपने मूल संवर्ग उत्तरप्रदेश चले गए हैं। डॉ.शशि कुमार ने एफआरआई निदेशक डॉ.सविता सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही वन वैज्ञानिक संघ से मुलाकात की। वे भारतीय वन सेवा में 1980 से हैं। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए आठ वर्ष की सेवा दी। उन्हें प्रतिष्ठित एसके सेठ पुरस्कार भी मिल चुका है।

GARHWAL POST
28 June, 2016

Dr Shashi Kumar takes over as Director, ICFRE

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 27 Jun: Dr Shashi Kumar, Director, Indira Gandhi National Forest Academy, Dehradun has taken over as Director General, Indian Council of Forestry Research and Education, after repatriation of Dr Ashwani Kumar to his parent cadre of Uttar Pradesh on 25 June.

Dr Shashi Kumar, an IFS Officer (1980 : AGMUT) held various important positions throughout India including the Principal Chief Conservator of Forests, HoFF, Government of Arunachal Pradesh, PCCF (Wild Life) and Secretary (Science & Technology), Government of Andaman and Nicobar, Managing Director, Goa Forest Development Corporation, Deputy Director General, FSI and others. In ICFRE, he spent about 8 years at various positions including Director of the world famous Forest Research Institute in Dehradun and Deputy Director General (Research) and Director (Research) in ICFRE.

Kumar has also published more than 30 research papers in various journals of international repute. He has won the prestigious SK Seth Prize for his outstanding contributions.

After taking over, Dr Kumar had a detailed discussion with Dr Savita, Director, FRI, and officials of ICFRE to learn about the various ongoing and completed R&D programmes of ICFRE being carried out through its 9 Institutes and 5 Centres spread over across India. He met the Forest Scientists' Association (FoSA) and assured full cooperation in all pending issues related to HRD, Pensions and Medical Benefits. He desired work to be done in close coordination to further enhance the R&D outcome of ICFRE and its Institutes for betterment of the general public. Dr Kumar also met the Technical Staff Association and promised to implement Technical Services in ICFRE, soon, as approved by the Government of India.

THE TRIBUNE
28 June, 2016

Dr Shashi is forest academy director

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, JUNE 27

Dr Shashi Kumar, Director, Indira Gandhi National Forest Academy, Dehradun, has taken over as Director General, Indian Council of Forestry Research and Education, after repatriation of Dr Ashwani Kumar to his parent cadre of Uttar Pradesh on June 25.

Dr Shashi Kumar, an IFS officer, held various important positions, including Principal Chief Conservator of Forests, Arunachal Pradesh, PCCF (Wild Life) and Secretary (Science & Technology), Andaman and Nicobar, Managing Director, Goa Forest Development Corporation, Deputy Director General, FSI, and others.

After taking over, Dr Kumar had a detailed discussion with Dr Savita, Director, FRI, and officials of the ICFRE to get the brief of various ongoing and completed R&D programme of the ICFRE being carried out through its nine institutes and five centres spread over across India.

Dr Shashi Kumar

He met the Forest Scientists' Association and assured it cooperation in all pending issues related to the HRD, pension and medical. He desired to work in close coordination to further enhance R&D outcome. Dr Kumar also met the Technical Staff Association and assured it to implement technical services in the ICFRE.